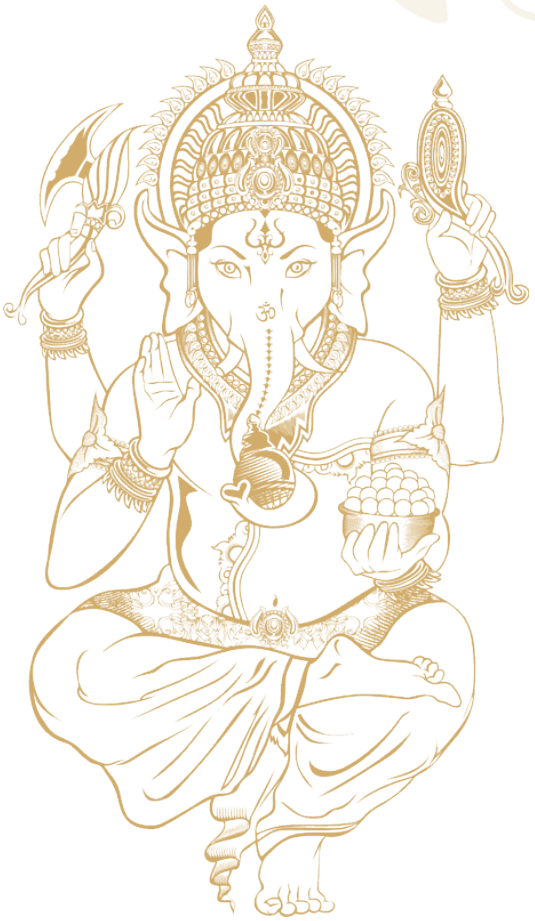

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120268604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/04/1995	जन्म तिथि	31/12/1997
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:06:00	जन्म समय	22:20:00 घंटे
घटी 21:37:31	जन्म समय(घटी)	38:57:17 घटी
India	देश	India
Gorakhpur	स्थान	Gorakhpur
26:45:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:59	सूर्योदय	06:45:05
18:23:41	सूर्यास्त	17:13:59
23:47:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 4मा 25दि	11:34:19	सिंह	लग्न	सिंह	23:41:45	चन्द्र 8वर्ष 6मा 15दि
राहु	07:57:51	मेष	सूर्य	धनु	16:13:29	राहु
17/09/2011	10:47:42	मक	चंद्र	मक	11:56:41	17/07/2013
16/09/2029	23:43:20	कर्क	मंगल	मक	16:42:12	17/07/2031
राहु 30/05/2014	16:48:25	मेष	बुध	वृश्चि	24:28:39	राहु 29/03/2016
गुरु 22/10/2016	20:55:14	वृश्चि व	गुरु	मक	28:21:29	गुरु 23/08/2018
शनि 29/08/2019	06:25:53	मीन	शुक्र व	मक	09:37:55	शनि 29/06/2021
बुध 18/03/2022	26:42:14	कुंभ	शनि	मीन	19:55:10	बुध 16/01/2024
केतु 05/04/2023	11:49:15	तुला व	राहु व	सिंह	18:32:10	केतु 03/02/2025
शुक्र 05/04/2026	11:49:15	मेष व	केतु व	कुंभ	18:32:10	शुक्र 03/02/2028
सूर्य 28/02/2027	06:36:36	मक	हर्ष	मक	13:16:31	सूर्य 28/12/2028
चन्द्र 29/08/2028	01:44:52	मक	नेप	मक	05:06:16	चन्द्र 29/06/2030
मंगल 16/09/2029	06:10:38	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:55:33	मंगल 17/07/2031

लग्न-चलित

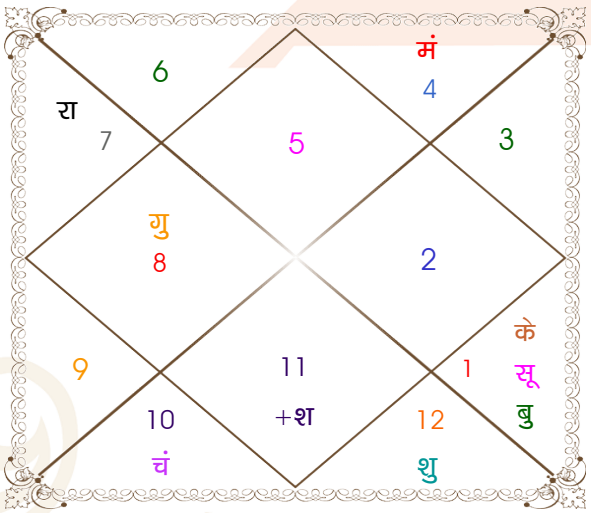

लग्न-चलित

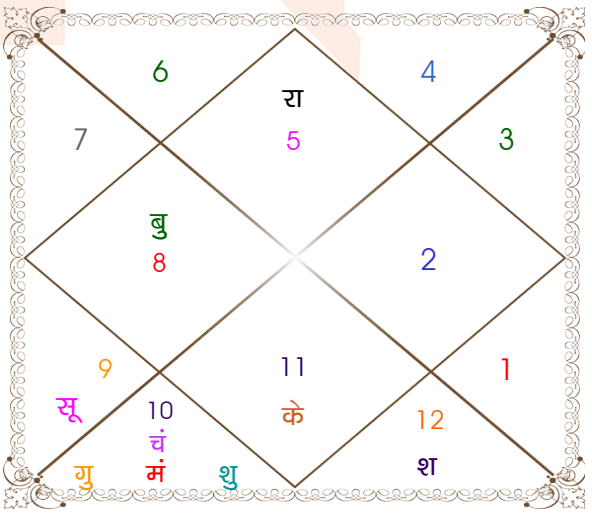

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र श्रवण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र श्रवण है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।